

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

समक्ष: श्री एम०के० सिंह  
सदस्य

प्रकरण क्रमांक अपील 1666-पीबीआर/14 विरुद्ध आदेश दिनांक 1-5-14 पारित द्वारा आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश ग्वालियर प्रकरण क्रमांक 39/2011-12/अपील.

मेसर्स एसोसियेटेड अल्कोहल एण्ड ब्रेवरीज  
लिमिटेड खोड़ी ग्राम, बड़वाह,  
जिला खरगौन म०प्र०

----- अपीलांत

विरुद्ध

- 1- उपायुक्त आबकारी, संभागीय उड़नदस्ता, जबलपुर म०प्र०
- 2- जिला आबकारी अधिकारी, सिवनी म०प्र०
- 3- जिला आबकारी अधिकारी, खरगौन म०प्र०
- 4- जिला आबकारी अधिकारी, एसोसियेटेड अल्कोहल एंड ब्रेवरीज लि. बड़वाह,  
जिला खरगौन म०प्र०

----- रिस्पोंडेंट्स

अपीलांत की ओर से अधिवक्ता श्री के० के० द्विवेदी ।  
रिस्पोंडेंट्स शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता श्री राजीव गौतम ।

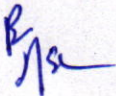
-----  
:: आदेश ::

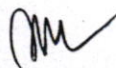
( आज दिनांक 6-10-2016को पारित )

यह अपील आबकारी आयुक्त, म०प्र०, ग्वालियर द्वारा प्रकरण क्रमांक 39/2011-12/अपील में पारित आदेश दिनांक 3-12-13 के विरुद्ध म०प्र० आबकारी अधिनियम, 1915 ( जिसे आगे आबकारी अधिनियम कहा जायेगा ) की धारा 62 (2) सी के तहत प्रस्तुत की गई है ।

2- प्रकरण के तथ्य अधीनस्थ न्यायालय के आदेश में विस्तार से उल्लिखित होने से उन्हें पुनः दोहराने की आवश्यकता नहीं है ।

3- प्रकरण में अपीलार्थी अधिवक्ता द्वारा उन्हीं तर्कों को दोहराया गया है जो उनके द्वारा अपील मेमो में उद्धरित किये गये हैं ।



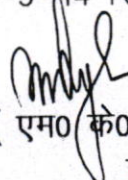




4- प्रत्यर्थी शासन की ओर से विद्वान शासकीय अधिवक्ता द्वारा तर्क दिया गया कि अपीलार्थी इकाई द्वारा रेक्टिफाइड स्प्रिट परिवहन में निर्धारित मार्ग से अधिक मार्ग हानि से अधिक मार्ग हानि की गई है, अतः अधीनस्थ न्यायालयों द्वारा शास्ति आरोपित करने में कोई त्रुटि नहीं की गई है । विद्वान शासकीय अधिवक्ता द्वारा अपीलार्थी पर आरोपित शास्ति को उचित बताते हुए अपील निराधार होने से निरस्त किए जाने का अनुरोध किया गया है ।

5- उभयपक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत तर्कों के संदर्भ में अभिलेख का अवलोकन किया गया । अभिलेख को देखने से स्पष्ट है कि अपीलार्थी द्वारा म०प्र० आसवनी नियम 1995 के नियम 6(4) में निर्धारित मार्ग हानि से अधिक मार्ग हानि की गई है । विचारण न्यायालय द्वारा अपीलार्थी को सुनवाई का समुचित अवसर दिया गया, परंतु अपीलार्थी द्वारा यह प्रमाणित नहीं किया जा सका है कि निर्धारित मार्गहानि से हुई अधिक मार्ग हानि अपरिहार्य कारणों से कारित हुई है और उसमें अपीलार्थी इकाई की कोई असावधानी नहीं है । अतः विचारण न्यायालय द्वारा अपीलार्थी पर नियम 8(84) के तहत जो शास्ति अधिरोपित की गई है वह उचित है । जहां तक आबकारी आयुक्त के आदेश का प्रश्न है उनके समक्ष भी अपीलार्थी द्वारा यह तथ्य प्रमाणित नहीं किया जा सका है कि निर्धारित मार्ग हानि से हुई अधिक मार्गहानि अपीलार्थी इकाई की असावधानी से नहीं हुई है । दर्शित परिस्थिति में आबकारी आयुक्त द्वारा विचारण न्यायालय के आदेश को स्थिर रखने में कोई त्रुटि नहीं की गई है ।

उपरोक्त विवेचना के आधार पर यह अपील निरस्त की जाती है तथा आबकारी आयुक्त, म०प्र०, ग्वालियर द्वारा पारित आदेश दिनांक 01-5-14 स्थिर रखा जाता है ।

  
( एम० के० सिंह )  
सदस्य

राजस्व मंडल, मध्यप्रदेश,  
ग्वालियर

